सुर्तस्कः B.V. 4,28, 1. युरा प्राणी मन्यविषीत् पुशवस्तत्प्र मीरले A.V. 11, 4, 5. 3, 13, 2. यहनः प्रेयमं संवभ्व स रू तत्स्वराज्येनियाय 10, 7, 31. 5, 29, 6. 18, 3, 3. Çат. Вв. 10, 6, 4, 1. Катнор. 2, 14. 덕코 — 전로 Çат. Вв. 14, 5, 1, 17. 19. यदि – तद् Bhag. 1, 46. Çîk. 3,7. Pankat. 48,3. Kathas. 11,27.72. 18, 161. Çuk. 43,8. यदि मां तं महाराज न विकान्मिकेच्क्रिस । तत्किमर्थ विदर्भाणां पन्याः सम्पदिश्यते ॥ N. 9,32. यदि नाम दैवगत्या जगदसरेाजं कराचिरपि बातम् । म्रवकरनिकरं विकिरति तत्विं कृकवाकुरिव हंसः॥ Вильти. Suppl. 21. चेंदू - तद् Çak. 7, 11. Катийя. 11, 18. Raga-Tar. 5, 479. तद् - ना चेद् Hir. 18, 18. — 3) da, auf diese Weise, damit, darum (vgl. 2. তুনারু); sehr häufig in der umständlichen Redeweise der Вилимама: यदावसञ्चानकाल्पर्यति सदेाक्विधानान्येव तत्केल्पयति AV. 9,6,7.13.49.50.53.54. 13,1,52. ÇAT. BR. 7,2,1,8. तम्बदेवैतिर्देवा उद्वयं-स्तरेवैष रतेरुज्ञयति ५,1,2,2, ६,२,३,७ तस्यववनीतेनाभ्यञ्जति स्वेनैवैनं त-द्वागधेयेन समर्धयित Air. Bs. 1,3.28. सर्वाभ्य एव तद्देवताभ्या पन्नमानं प्रमुच्चति २,१०.११. ६,२. ८,४.१६. तं तुरीये ऽत्यार्जत तत्तुरीयभागिन्द्रा ऽभव-त् 2,25. 7,28. तदेता ब्रोकी भवत: in Bezug darauf, in Verbindung damit Praçnop. 3, 5. In der späteren Sprache darum, deshalb, demnach, also AK. 3, 5, 3. H. 1537. M. 9, 41. MBH. 3, 2142. 2736. Cik. 11. 122. 3, 13. 4, 12. 17, 3. 28, 14. 33, 11. 59, 13. 66, 18. 95, 19. RAGH. 3, 46. MEGH. 7. 108. म्रक्मल्पशक्तिर्र्ताञ्च मे कामलाः। तरेतेषा पाशांष्ट्रकेत्ं क्यं समर्यः Hir. 15, 9. 5, 20. 18, 15. 20, 19. 21, 21. 26, 16. Vid. 47.66.111.118.165.183. 207. पद् - तद् da - deshalb, so Daç. 2, 18. Pankat. 24, 5. Hit. Pr. 7. पेन - तद् dass. Çrut. 1. — 4) als Uebergangspartikel nun; ebenfalls in den Brahmana viel gebraucht. AV. 15,10, 1. 11, 1. 12, 1. 13, 1. तथा-त्स्ताकाश्चेतित Air. Bs. 2, 12. 3,22. वक्री वा एष यत्षाळशी तखञ्चतुर्ये ऽक्रियोळशिनं शंसति वज्रमेव तत्प्रक्रिति ४, 1. 6,2. 7,31.33.34. ÇAT. BR. **6**,2,**1**,13.**2**,14.**8**,1,**3**,6. — 5) so auch, desgleichen, ebenso (= und; vgl. तथा) AV. 11,7,7. 15,17,9. — 6) तद्पि a) und zwar: भिनाशनं तद्पि (könnte auch nom. neutr. sein) नीरसम् Вилитя. 3, 16. तञ्चापि dass. R. 1, 4, 8. — b) dessenungeachtet, dennoch BHARTR. 1,28.94. 2,77. 3,10.17.28. Ç.î.к. 37, v. l. Рвав. 92, 13. यस्त्रिय — तद्पि Кат. 8; vgl. तयापि u. तथा. तर \overline{d} am Ende eines adv. comp. $= \overline{d} = 1$. \overline{d} g a na शरदादि zu P. 5, 4, 107. VOP. 6, 62.

तदनतर (तद्द + श्रनः) 1) adj. f. श्रा Jmd am nächsten stehend: पा चास्य तदनतरा N. 22, 16. — 2) एम् adv. unmittelbar darauf, darauf, alsdann M. 3, 252. 260. ARG. 1, 4. BENF. Chr. 77, 13. R. 1, 11, 1. 2, 48, 23. 65, 18. Рамбат. 34, 21. 70, 17. Ніт. 15, 11. Vet. 4, 6. प्राक् — तद्नः Çak. 189. प्रथमम् — तद्नः — तृतीयम् — श्रतः पर्म् M. 8, 129. — Vgl. तत्स-मनतरम्.

तर्त (तद्द + म्रत) adj. dadurch sein Ende erreichend: मरुताप्यर्थमा-रेण या विश्वमिति शत्रुषु। भाषामु च विरक्तामु तर्त्रं तस्य बीवनम्॥ सार. 1.85.

तैद्न (तद् + म्रन) adj. an diese Speise gewohnt: तद्नाप तद्पमे (त्रि-ताप) RV. 8,47,16.

तँद्पम् (तद् + श्र°) 1) adj. gewohnt dies zu thun: उड्ड ष्य देव: संविता स्वायं शश्चत्तमं तद्पा विक्तेरस्यात् R.V. 2,38,1.13,3. 8,47,16. So ist wohl auch durch Aenderung der Betonung zu verbessern in der Stelle: सस्नु-षीस्तद्यमा दिवा नर्तां च सुसुषी: (श्रपः) AV. 6,23,1. — 2) adv. in gewohnter Weise: तर्प ईवेमानाः (पन्याः) ३.४. 5,47,2.

तद्र्य (तद् + मर्य) adj. dazu bestimmt P. 2,1,36. - Vgl. ताद्र्घ्यं.

तदर्शम् (तद्द + म्रर्शम्) adv. zu dem Endzweck, dazu, deshalb R. 1,73, 4. P. 5,1,12. P. 1,3,72, Sch.

तद्वीप (von तद् + मर्च) adj. dazu bestimmt, zu dem Endzweck unternommen Buag. 17,27.

तदर्रु (तद् + म्रर्रु) adj. dieses verdienend: म्र॰ R. 2,13,1.

तर्दे। (von 1. त) adv. zu der Zeit, alsdann, dann, in dem Falle (im Epos oft müssig) P. 5, 3, 15. 19. 21. Vop. 7, 101. AK. 3, 5, 22. एतत्तेरा भवति Тытт. Uр. 1,6,2. М. 1,55. तदा स्वनगराय प्रस्थितं मां प्रिया सवाष्पमाक् Çik. 84,11. म्रय रुंसा विसस्पः सर्वतः प्रमदावने । एकैकशस्तदा कन्या-स्तान्हंसान्सम्पादवन् ॥ N. 1,24. तदा तद्भवद्यूतम् ७,17. तती ऽत्तरीन्न-मा वाचं व्यानकार नलं तदा 1,19. 2,2. पुएयम्लाकस्तदा राजन्दमयत्तीमया-ब्रवीत् १, १७. वा ४ साववाध्यां प्रथमं गतवान्त्राह्मणस्तर् १२२, १७. शयनेषु परा-र्ध्येषु ये परा वार्षाावते । नाधिबरमस्तदा निद्रा तेऽम्य मुप्ता मकोतले ॥ н.р. 1,30. जिमीषमाणस्तु मृक्ते तदा मृत्युः सुदर्शनम् । पृष्ठतो बन्वममहाज-त्रन्धान्वेषी तदा सदा॥ MBn. 13,132. यद् — तदा AV. 11,4,4. यत्र — तदा Ќна̀nd. Up. 6,8,1. यदा — तदा М. 1,52.54.56. 4,104. 6,2.80. 7,169 — 174. Bhag. 2,52.53. N. 14,22.23. R. 1,8,18. Çar. 71,3. 132. 111,4. Hit. 23,8. I,32.34. Катніз. 12,66. Vid. 70.196.227.273. यहिमझक्ति पर्कीव - तदैव Выл. Р. 1,18,6. यदि — तद्रा Ніт. 18,19. 19,7. 21,22. 40,18. 59,1. 21. 99,8 u. s. w. Vet. 7, 13. Gtr. 1,3. यदि — तर्क्तित्रा Vet. 32, 18. चेद्र — तदा Çîk. 71, 3, v. l. Kathîs. 11, 64. Çaut. 33. P. 3, 3, 139, Sch. तदा --नो चेत् Hir. 18, 18, v. l. यतम् — तदा seitdem — von der Zeit an MBB. 13,2231. तदा प्रभृति von der Zeit an 193. R. 1,25,13. 38,22. 49,11. Ragn. 2,38. Катная. 2,62. यदा प्रभृति — तदा प्रभृति R. 3,17,21. यदा — तदा त्रभृति Çik. 79,16. Kumiass. 1,54. पदा तदा zu jeder beliebigen Zeit MBH. 1, 6373.

तद्दाल (von तद्दा) n. Gegenwart, der gegenwärtige Zustand (stets in Verbindung mit स्रायति Zukunft) AK. 2,8,1,29. Trik. 3,2,17. 3,149. H. 162. M. 7,163.169.178.179. MBH. 2,2107. 3,1412. 5,1500. 7,4363. R. 5,76,16 (wo तदाल zu verbinden ist). 90,1.

तर्गोनम् adv. damals, alsdann, dann P. 5,3,19. Vop. 7, 102. AK. 3, 5,22. नासंदासीन्ना सर्गानीत्त्रानीम् RV. 10,129,1. AV. 10,8,39. 12,1,55. प्रावाच चेनां वचनं नरेन्द्र धात्रियकामातंत्रस्तदानीम् DRAUP. 6,10. Buág. P. 5,8,26. Vedàntas. (Allah.) No. 32. 42. 74. Sáj. zu RV. 1,11,5. पद्रा तद्रा Varàu. Bru. S. 53,114. पत्र — तद्रा Çaut. 5. पद्रि — तद्रा 22. तद्रानोंड्र गर्चे zu der Zeit d. h. zu der in Rede stehenden Zeit —, eben gemolken Çat. Br. 11,1,4,3. — Vgl. इद्रानीम्, wo auch die Form des Wortes erklärt wird.

तदाम्ख (तद् + म्रा॰) n. Beginn, Anfang Bauripa. im ÇKDa.

तार्देर्घ (तद्-इद् + मर्घ) adj. auf den bestimmten Zweck gerichtet, intentus: व्यमुं ला तदिर्घा इन्ह्रं लायतः सखायः। काएवा उक्छिभिर्जर्ते RV. 8,2,16; vgl. 2,39,1. 9,1,5. 10,106,1.

र्तेदिष्टि (तद् + इष्टि) AV. 11,7,19 wohl irrig als comp. betont.

तर्दें पि (von तद्) adj. f. म्रा P. 1,1,74, Sch. 1) dem, der oder denen gehörig: von dem, von der oder von denen kommend u. s. w.; sein, ihr Vop. 7,19. तदीपोदेशमाम्रप R. 4,21,35. MBH. 8,675. BHARTR. 1,51. 2,68.